

५

धम्मक-धम्मक आता हाथी

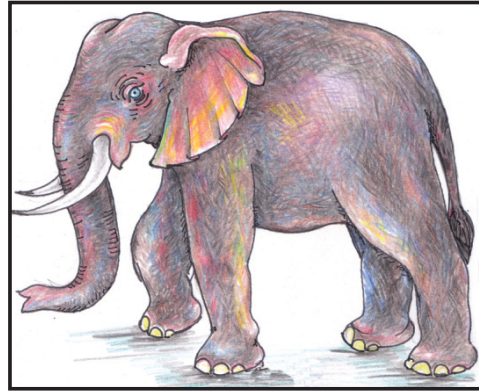
- प्रयाग शुक्ल



प्रस्तुत कविता प्रसिद्ध रचनाकार श्री प्रयाग शुक्ल द्वारा रचित गई है। आपका जन्म ई.स. १९४० में कोलकाता में हुआ था। साहित्य की विविध विधाओं पर सशक्त रूप से लेखनी चलाई है। बच्चों के लिए आपने बहुत उल्लेखनीय रचनाएँ लिखी हैं।

आपके ९ काव्यसंग्रह, ५ लघुकथा संग्रह, ३ उपन्यास, १ कला पुस्तक, सत्यजीत रे पर एक पुस्तक प्रकाशित है इसके अतिरिक्त पत्रिका का संपादन भी किया है।

धम्मक-धम्मक आता हाथी,
धम्मक-धम्मक जाता हाथी।



अपनी सूँड़ उठाता हाथी,
अपनी सूँड़ गिराता हाथी,
अपनी सूँड़ हिलाता हाथी,
अपनी सूँड़ घुमाता हाथी।



धम्मक-धम्मक आता हाथी,
धम्मक-धम्मक जाता हाथी।



जब पानी में जाता हाथी,
भर-भर सूँड़ नहाता हाथी,
कितने केले खाता हाथी,
यह तो नहीं बताता हाथी ।

धम्मक-धम्मक आता हाथी,
धम्मक-धम्मक जाता हाथी ।

शब्दार्थ

धम्मक जोश, तेज पानी जल, नीर, सलिल हाथी गज

अभ्यास

प्रश्न १. कविता का अभिनय के साथ गान कीजिए ।

प्रश्न २. सूचना के अनुसार अभिनय कीजिए :

- रोना
- हँसना
- पटाखे छोड़ना
- कपड़े धोना

प्रश्न ३. (अ) पढ़िए और समझिए :

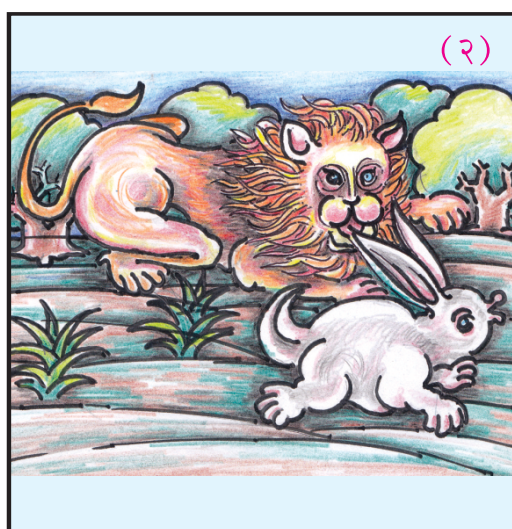
उठाना	गिराना
आना	जाना
छोटा	बड़ा
ऊँचा	नीचा
पकड़ना	छोड़ना

(ब) ऊपर दिए गए विलोम शब्दों पर आधारित वाक्य बनाइए ।

जैसे : गिरे हुए को उठाना चाहिए ।

हमें किसी को गिराना नहीं चाहिए ।

प्रश्न ४. चित्र के आधार पर कहानी कहिए ।



स्वाध्याय

प्रश्न १. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

- (१) हाथी किस तरह से आता है ?
- (२) नहाने के लिए हाथी सूँड़ में क्या भरता है ?
- (३) हाथी क्या खाकर बताता नहीं है ?
- (४) हाथी पानी कहाँ डालता है ? क्यों ?

प्रश्न २. चित्र में हाथी के कुछ अंग नहीं हैं उन्हें पूर्ण कीजिए एवं चित्र में रंग भरिए :

